

4440

Mitch an Using The Gazette of India

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I---खबब I

PART I-Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

C12-75

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 156]

नई विस्ली, संगल**बार, श्रव्यूबर** 3, 1967/**आश्विन** 11, 1889

No. 1 156]

NEW DELHI, TULE DAY, OCTOFER 3, 1967/ASVINA 11, 1869

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

बाणिज्य मंत्रालय

संकल्प

नई दिन्ती 26 सितम्बर, 1967

सं 0 19 (15) प्लांट (बी) '67:—सरकार ने टैरिफ आयोग से अनुरोध किया था कि स्थिदेशी कच्चे रबड़ की उत्पादन लागत की जांच करें और सरकार को उस उचित मृत्य की सिफारिश करें जो कच्चे रबड़ के लिए दिया जाना चाहिए । आयोग ने अन्य बातों के साथ-साथ सिफारिश की थी कि आर० एम० ए० ग्रेड । के रबड़ के लिये कोचीन में जहाज तक नि:शुल्क 4150/- रुपए प्रति मैट्रिक टन विक्रय मृत्य उचित होगा। भारत सरकार ने यह सिफारिश स्त्रीकार कर ली हैं।

- 2. कच्चे रबड़ के मूल्य के प्रकापर विचार करते समय सरकार ने प्रमुण्य किया है कि रबड़ के छोड़े उत्पाद कों को प्राणि प्रयं-अभाग में सुग्रार के लिये मुख तरकाल सहायता की भावरयकता है। इस निर्वाल वित्तीय वर्ष में जिन छोड़े रबड़ उत्पाद कों के पास दो हैंक्टर तक के बागान हैं उनकों 175 ए० प्रति हैंक्टर नकद सहायता भीर जिनके पास दो हैंक्टर से भविक तथा 4 हैंक्टर तक के बागान हैं उनकों 150 ए० प्रति हैंक्टर की नकद सहायता देने का विभार है।
- 3. सरकार का विचार है कि छोटे उत्पाद कों को प्रयोग्त प्रतियोगिता सक्ति प्राप्त करने में समये होता चाहिए जिल्ले कि वे यथा शीघ्र प्राने पेरों पर खड़े हो सकें। सरकार ने एक सिनिति नियुक्त करने का निर्णय किया है जो इन छोटे बल्लाों की ध्रयं ज्यत्रस्था का गहन सहप्रयन करेगी और इन क्षेत्र में, कार्य कुण नता में सुप्रार तथा स्थिरता लाने के निमित्त ध्रयेक्षित सह्ययता सम्बन्धी उपायों के बारे में सुझाव देगी।
 - 4. सिनिति, उत्त प्रत्य मामतों हे साथ साथ जित पर वह इस सम्बन्ध में विचार भरता भावश्यक समझें. तिम्नलिखित पर भी विवार करेगी:---
 - (1) उन निश्वि न हर की गहानका का घ्यान रखेगी जो छोटे उत्पादकों को रवाई बोडें द्वारा पहले ही दी जा रही है और निवार करेगी कि क्या इन क्षेत्र को किसी ऋतिरिक्त सहायना की श्रावश्यका है, यदि हो तो वह सुझान देगी कि इन न हार सहायना किन रूप में श्रोर किन ती सोमा तक दी जानी चाहिए तथा इस प्रकार की सहायना किन तो श्रावित तक जारी रखी जानी चाहिए;
 - (2) सरकार द्वारा स्वीकार किए गये कच्चे रखड़ के उचित विकय मूल्य के आधार पर छोटे उत्पाद की प्रयान्त्रमता प्राप्त करने में समर्थ बताने के हेतु प्रविक्षत प्रन्य उपायों के सम्बग्न में विचार करेगी तथा सरकार की परामर्थ देगी; ग्रीर
 - (3) लघु क्षेत्र में स्थिएता लाने में सह हारी सिमितियों के योगदान के सम्बन्ध में सरकार को परामर्थ देगी।

सदस्य

समिति में निम्नलिखित शामिल होंगें :

(1) श्री टी॰ एम॰ श्रब्हुल्ला, अध्यक्ष सेवा निवृत्त न्यायाधीण, रहमत बाग, कण्णन्र (केरल)

(2) श्रतिरिक्त सखिव, कृषि विभाग, के≀ल सरकोर, विकेन्द्रम । (3) श्री मेध्यू मण्यांगदन, सदस्य (भूतपूर्वं संसद् सदस्य), कोट्टयम (केरल)।

- (4) बी चेरियन कम्पन, सदस्य (भूतपूर्वं संसद् सदस्य), पासं केरल।
- (5) श्री पी० एस० हवीग मुहम्मद, सदस्य ग्रध्यक्ष रवड़ बोर्ड, कोट्ट्यम (केरल)।
- 5. समिति अपना प्रतिवेदन छ: महिने की धवधि के अन्दर सरकार को दे देगी।

बार्वज

श्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी सम्बन्धों को भेज दी जाए । यह भी श्रादेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सार्वजनिक जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

पी० सी० घलक्साण्डर, संयुक्त सचिव।